

श्रीविष्णुष्टुति

shrIviShNuShaTpadI

sanskritdocuments.org

June 29, 2018

---

shrIviShNuShaTpadI

श्रीविष्णुष्टुपदी

Sanskrit Document Information



---

Text title : viShNuShaTpadI

File name : vishnu6padi.itx

Category : ShaTpadi, vishhnu, stotra, vishnu, shankarAchArya

Location : doc\_vishhnu

Author : Shankaracharya

Transliterated by : Sorin Suciu aka SeSe at sorins at hotmail.com

Proofread by : Sorin Suciu aka SeSe at sorins at hotmail.com

Latest update : August 28, 2010

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

June 29, 2018

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीविष्णुषट्पदी

---



अविनयमपनय विष्णो दमय मनः शमय विषयमृगतृष्णाम् ।

भूतदयां विस्तारय तारय संसारसागरतः ॥ १ ॥

दिव्यधुनीमकरन्दे परिमलपरिभोगसञ्चिदानन्दे ।

श्रीपतिपदारविन्दे भवभयभेदश्छिद्ये वन्दे ॥ २ ॥

सत्यपि भेदापगमे नाथ तवालं न मामकीनस्त्वम् ।

सामुद्रो छि तरङ्गः कवचन समुद्रो न तारङ्गः ॥ ३ ॥

उद्धृतनग नगभिदनुज दनुजकुलामित्र मित्रशशिदृष्टे ।

दृष्टे भवति प्रभवति न भवति किं भवतिरस्कारः ॥ ४ ॥

मत्स्यादिभिरवतारैरवतारवताऽवता सदा वसुधाम् ।

परमेश्वर परिपाल्यो भवता भवतापभीतोऽहम् ॥ ५ ॥

दामोदर गुणमन्दिर सुन्दरवदनारविन्द गोविन्द ।

भवजलधिमथनमन्दर परमं दरमपनय त्वं मे ॥ ६ ॥

नारायण करुणामय शरणं करवाणि तावकौ चरणौ ।

एति षट्पदी मदीये वदनसरोजे सदा वसतु ॥ ७ ॥

॥ एति श्रीमद् शङ्कराचार्यविरचितं विष्णुषट्पदीस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Sorin Suciú aka SeSe at sorins at hotmail.com.

---

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

